

# डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 6, शाही दैवीकरण का अंत, एमोराइट्स

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 6 है, एमोरियों के शाही दिव्यीकरण का अंत।

वापसी पर स्वागत है। हम अपनी प्रस्तुति जारी रख रहे हैं, मुझे आशा है कि सरल शब्दों में, हम आपको यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि प्राचीन लोग हमारे धर्म के विपरीत अपने धर्म की दुनिया में कैसे सोचते थे। कल मैंने कुछ कीवर्ड्स का इस्तेमाल किया था जिन्हें मुझे आपके सामने रखना होगा और वो कीवर्ड्स नियंत्रण, हेरफेर और सहानुभूतिपूर्ण जादू जैसे शब्द हैं। कल हमने उनकी सोच में जो देखा वह यह था कि धर्म को कार्य करने के तरीके में राजा का अद्वितीय स्थान था।

और इसलिए, मुझे एक मार्कर लेने दीजिए। विचार पद्धति कुछ इस प्रकार प्रतीत होती है। उन्होंने इन दो दुनियाओं की कल्पना की, और यह दुनिया देवताओं की दुनिया है, और यह दुनिया इंसानों की दुनिया है, और जो चीज़ वास्तव में उन्हें अलग करती थी वह एक प्रकार की खाई थी।

और इसलिए, बुतपरस्त विचार जो कर रहा था, वह स्पष्ट रूप से इस दुनिया से इस दुनिया तक की खाई को पाटने का एक तरीका निकालने की कोशिश कर रहा था। जाहिर है, प्राचीन काल में मनुष्य स्वर्ग या स्वर्ग में प्रवेश नहीं कर सकते थे, लेकिन क्योंकि स्वर्ग देवताओं से भरे हुए थे, देवता मनुष्यों की दुनिया में प्रवेश कर सकते थे। तो धर्म की रचना इस तीर को उलटने के लिए की गई थी ताकि वे फिर देवताओं की दुनिया को अपनी दुनिया में ला सकें।

और इसलिए, कई सहस्राब्दियों से जो हो रहा है वह राजा के व्यक्तित्व में बढ़ता केंद्रीकरण है। और हम जिस स्थान पर पहुँचे हैं वह वह स्थान है जहाँ राजा स्वर्ग और पृथ्वी के बीच की दूरी को पाटने में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति बन जाता है। और पिछली बार हमने जो देखा वह पवित्र विवाह नामक चीज़ का स्थान है, जहाँ इस पवित्र विवाह में, राजा अपनी भूमि के लिए उर्वरता पैदा कर सकता था।

और उनके विचार में, किसी ने जो चाहा उसे जादुई तरीके से क्रियान्वित करके ऐसा किया। चूँकि यौन क्रिया प्रजनन क्षमता को बनाए रखने का एक साधन थी, आप यौन क्रिया के बिना बच्चे पैदा नहीं कर सकते। बच्चे प्रजनन क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इसलिए, इश्तार की महायाजक जैसी धार्मिक शख्सियत के साथ कामुकता में संलग्न होकर, राजा जादुई रूप से उस समृद्धि को पृथ्वी पर स्थानांतरित कर सकता था जो धर्म के बारे में सोचने के उनके तरीके के लिए बहुत आवश्यक थी। तो इसे सहानुभूतिपूर्ण जादू कहा जाता है, और यह राजा द्वारा वांछित इरादे को जादुई ढंग से क्रियान्वित करने का मामला है। मुझे लगता है कि

इंसानों ने इसे कई तरह से किया है, लेकिन मैं सोचता हूँ कि मूल रूप से दुनिया भर में सभी एक जैसे ही हैं।

और एक व्यक्ति जो चाहता है उसे जादुई तरीके से क्रियान्वित करके, वे उपासक के लिए अनुकूल स्थिति बना सकते हैं। तो, हमने पिछले व्याख्यान में जो बात कहने की कोशिश की, वह यह थी कि प्राचीन दुनिया में, वे सौंदर्यशास्त्र में इतनी रुचि नहीं रखते थे; वे समृद्धि और दीर्घायु जैसे बहुत ही ठोस अस्तित्व के मुद्दों में रुचि रखते थे। और इसलिए, राजा अब अपने लोगों के लिए समृद्धि और लंबे जीवन के दाता के रूप में इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने में सक्षम हो गया था।

तो, यह बुतपरस्ती की एक विशेषता है जो मुझे लगता है कि पुराने नियम के माध्यम से अपना रास्ता बनाती है। इसलिए नहीं कि पुराने नियम की परंपरा में, हमारे पास ऐसे राजा हैं जिन्होंने देवताओं की भूमिका निभाई है, हालांकि हमारे पास उस क्षेत्र में धोखाधड़ी करने वाले कई स्थान हैं, बल्कि इस अवधारणा के कारण कि जादू के माध्यम से, आप वास्तव में स्थितियों को बदल सकते हैं ताकि दुनिया की स्वर्ग को नीचे लाया जा सकता है या सांसारिक दुनिया में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। तो, नियंत्रण कारक, शब्द हैं, बुतपरस्त विचार में मनुष्य किसी तरह देवताओं के नियंत्रण में हैं।

जिस तरह से वे देवताओं के नियंत्रण में हैं वह देवताओं के साथ छेड़छाड़ करके है, और इसका दर्शन सहानुभूतिपूर्ण जादू है। इसलिए, ऐसा प्रतीत होता है कि इस्राएली इन यौन संस्कारों के प्रति संवेदनशील थे जो कनानी दुनिया में आम थे। उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि पवित्र वेश्यावृत्ति थी। वास्तव में हमारे पास पवित्र वेश्यावृत्ति के लिए एक अलग हिब्रू शब्द है।

जब यहूदा भेंट करने गया, और उसका अंत तामार से हुआ, तो वह एक यौन वेश्या, कोडशा को खोजने के लिए नीचे गया। इसलिए, उन्हें लगता है कि जिन लोगों को पवित्र लोग नामित किया गया था, वे स्वर्ग के बीच की दूरी को प्रभावी ढंग से पाट सकते थे और प्रजनन क्षमता ला सकते थे। यदि मैं इस विषय क्षेत्र को छोड़ने से पहले थोड़ा और सोच सकता हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि यह इस बात का मूल है कि इज़राइली कनानी मॉडल के प्रति इतने संवेदनशील क्यों थे, तो यह कुछ इस तरह होगा।

कारण-प्रभाव सोच में, यह जादुई है। यदि आप कारण का पता लगा सकते हैं, तो आप प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं। तो, ईसाई धर्म के आधुनिक रूपों में, बुतपरस्त सोच का कारण यह है कि मनुष्य नियंत्रण में हैं, इसलिए बुतपरस्त सोच का कारण मानव के अच्छे कार्य हो सकते हैं।

मुझे याद है जब मैं 50 साल पहले ईसाई बन गया था, तो मैं अपनी होने वाली पत्नी के साथ एक बहुत ही अति-रूढ़िवादी ईसाई परिसर में पहुंच गया था। उस परिसर में यौन पापों या फिल्मों में जाने से बुरा कुछ भी नहीं था। और यदि आप किसी फिल्म में गए और पकड़े गए, तो आपको स्कूल से निकाल दिया गया।

इसलिए, मेरे वरिष्ठ वर्ष में, मैं क्रिसमस की छुट्टियों के लिए घर पर था, और मैंने फैसला किया कि मैं यह फिल्म देखना चाहता हूँ। यह एक कामुक थ्रिलर फिल्म थी। ये 45 साल पहले की बात है।

तो मुझे याद है कि मैं चुपचाप मूवी थिएटर में घुस गया था, हर संभव कोशिश की थी, अंधेरा होने पर मूवी शुरू होने तक इंतजार किया था और अंदर जाकर अपनी सीट पकड़ ली थी। मैं घबराहट महसूस कर रहा था, और, खैर, सस्पेंस से छुटकारा पाने के लिए, कामुक थ्रिलर साउंड ऑफ म्यूजिक थी। उस थ्रिलर में, जूली एंड्रयूज को बैरन से प्यार हो गया था, और वह एक तरह से नन बनना चाहती थी।

वह नन बनना चाहती थी, लेकिन वास्तव में उसके पास ऐसा करने की क्षमता नहीं थी। तो, उसे अब बैरन से प्यार हो गया था, और वह उसकी हवेली के बगीचे में थी, और वह घटनाओं के इस नए मोड़ पर भगवान के लिए गा रही थी जिसने उसके जीवन को अद्वितीय आनंद में बदल दिया था। और जब वह जूली एंड्रयूज की शानदार आवाज के साथ गा रही थी, तो वह भगवान से उनके आशीर्वाद के बारे में गा रही थी क्योंकि मैंने जरूर कुछ अच्छा किया होगा।

भगवान हमें जो अच्छे काम करने के लिए कहते हैं उन्हें करने और यह सोचने के बीच कि अच्छे काम करके आप अपनी ओर से दैवीय हस्तक्षेप ला सकते हैं, के बीच एक महीन रेखा है। क्या यह सूक्ष्म नहीं है कि ऐसा कैसे हो सकता है? हम सभी को अच्छे काम करने के लिए बुलाया गया है। पौलुस ने स्वयं कहा, अच्छा काम करते हुए थको मत।

लेकिन बुतपरस्त विचार अच्छे कार्यों को वांछित प्रभाव उत्पन्न करने के लिए भगवान को हेरफेर करने की क्षमता के रूप में देखता है। और इसलिए, मानव इतिहास में हम अब जिस स्थिति में हैं, वह यह है कि राजा वह प्राणी है जो देवताओं को हेरफेर कर सकता है और वांछित प्रभाव ला सकता है। खैर, यह कार्य-कारण सोच तभी तक प्रभावी है जब तक राजा उत्पादन करता है।

और इसलिए, हमने पिछली बार उल्लेख किया था कि राजा स्पष्ट रूप से ऐसा हमेशा के लिए नहीं कर सकता था। इसलिए, मैंने अपने क्लास नोट्स में इस प्रश्न से निपटने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख किया है: यह सामान्य रूप से इब्रानियों और विशेष रूप से पश्चिमी सेमाइट्स के साथ कैसे संबंधित है? खैर, पश्चिम में राजाओं का दैवीकरण कभी विकसित नहीं हुआ। और मैंने तुमसे लाल रंग में उल्लेख किया है ताकि तुम इसे अवश्य देख सको; मैंने आपसे स्थलाकृति शब्द का लाल रंग में उल्लेख किया था, क्योंकि संक्षेप में, स्थलाकृति ही शायद यही कारण है कि यह पश्चिम में कभी विकसित नहीं हुई।

पश्चिम में उतनी विशाल आबादी नहीं थी जितनी पूर्व में थी। शहर छोटे थे. जनसंख्या कम थी.

बड़ी राजनीतिक संस्थाओं में एकजुट होना अधिक कठिन था। इसलिए, मुझे लगता है कि पश्चिम में अलग-अलग स्थलाकृति के कारण, हमारे पास इस बात की अच्छी व्याख्या है कि पश्चिम में राजा कभी दिव्य क्यों नहीं थे। लेकिन इसे छोड़ने से पहले मैं हमारे लिए एक अंतर बताना चाहूंगा, और वह यह है।

दैवीय राजा और पवित्र राजा के बीच अंतर है। पवित्र राजत्व यह विचार है कि एक राजा को ईश्वर द्वारा विशिष्ट रूप से चुना जाता है। मेसोपोटामिया और इब्रानियों सहित पश्चिम दोनों का अपने राजाओं के बारे में यही दृष्टिकोण था।

राजा पवित्र थे। वे परमेश्वर द्वारा चुने गए थे। और इसलिए, केवल ईश्वर ही ऐसा प्राणी था जो उन्हें पद से हटा सकता था या हटाना चाहिए।

आपको बाइबिल पाठ में डेविड और शाऊल की कहानी पढ़ना याद होगा। और उस पाठ में, आप इस तथ्य से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते कि शाऊल ने कई तरीकों से खुद को राजा के रूप में अयोग्य ठहराया था। फिर भी दाऊद उसे सिंहासन से हटाने के लिए स्वयं को तैयार नहीं कर सका क्योंकि वह परमेश्वर द्वारा विशिष्ट रूप से अभिषिक्त था।

अर्थात् शाऊल था। शाऊल का अभिषेक परमेश्वर द्वारा किया गया था, और परमेश्वर को स्वयं शाऊल को हटाना होगा। इसलिए, पश्चिमी परंपरा में, राजा ने कभी भी स्वर्ग और पृथ्वी के बीच अद्वितीय पुल होने की सटीक जादुई स्थिति नहीं ग्रहण की।

लेकिन वह अन्य सभी लोगों से अलग भी था क्योंकि पश्चिम में, राजा, पूर्व की तरह, राजा भगवान द्वारा चुना गया था और इसलिए, विशिष्ट रूप से पवित्र और पवित्र था। अब, पवित्र का मतलब हमेशा यह नहीं होता है, जिस तरह से हम आज अंग्रेजी में उस शब्द का उपयोग करते हैं, पवित्र का मतलब वह है, आप जानते हैं, वह जितना पवित्र है, उसके जीवन में पाप उतना ही कम है। हिब्रू बाइबिल में यह शब्द वास्तव में इस तरह काम नहीं करता है।

हिब्रू बाइबिल में पवित्र एक ऐसा शब्द है जिसका अर्थ इसके आधार पर कुछ है, जो विशिष्ट रूप से अलग रखा गया है। शाऊल, पहले राजा के रूप में, विशिष्ट रूप से अलग किया गया था, और इसलिए, उसे कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जाना था। तो, मेसोपोटामिया के इतिहास में एक जादुई व्यक्ति के रूप में राजा की यह पूरी अवधारणा बहुत तेज़ी से बदलने वाली है।

और इसलिए, हम जो देखने जा रहे हैं वह यह है कि जब उर III काल समाप्त हो जाएगा, तो अधिकांश भाग में, राजाओं के दैवीकरण की अवधारणा भी समाप्त हो जाएगी। उर III सभ्यता के पतन के बाद, जो आपको पिछली कक्षा से याद होगा, सुमेरियन सभ्यता का अंत था। इसे नाम का एक शहर था जहां राजा दैवीय होते रहे, लेकिन अब वहां कोई साम्राज्य नहीं था और ये राजा आइसिस शहर तक ही सीमित थे।

हम यह भी जानते हैं कि दक्षिणी ईरान में, एलाम नामक स्थान पर, जो एक राष्ट्र-राज्य था, वहां भी राजाओं का दैवीकरण होता रहा। लेकिन मामले की सच्चाई यह है कि, उर III सभ्यता के पतन के बाद, राजाओं के दैवीकरण का अंत हो गया। एलामियों ने मेसोपोटामिया पर आक्रमण किया, उर शहर को लूट लिया, उर III काल को समाप्त कर दिया, और इस प्रकार उस समय से, हमारे पास मेसोपोटामिया में सांसारिक राजाओं के दैवीकरण का पतन है।

अब, इससे पहले कि मैं इसे छोड़ूं, मैं आपको बता दूँ कि पश्चिम में एक अनोखा अपवाद है, और मिस्र में यही चल रहा था क्योंकि मिस्र में, राजत्व की शुरुआत से ही, राजा सिर्फ दिव्य नहीं थे; वे

दिव्यता के अवतार थे। और अद्वितीय मिस्र के विचार में, प्रत्येक राजा पिछले राजा का पुनर्जन्म था। शब्द के उस अर्थ में, सभी मिस्र के राजा दिव्य थे क्योंकि सभी मिस्र के राजा मिस्र के सूर्य देवता अमुन-रे के अवतार थे।

यह एक अनोखा दिव्यकरण है जो प्राचीन काल में कहीं और नहीं बल्कि मिस्र में हुआ था। तो, उर III अवधि समाप्त हो जाती है। समय की दृष्टि से यह वह काल है जिसमें इब्राहीम शामिल था।

पुराने नियम की रूढ़िवादी डेटिंग प्रणाली के अनुसार, अब्राहम का जन्म 2166 में हुआ था, जिसका अर्थ है कि उसका जीवनकाल उर III काल के साथ सटीक रूप से संबंधित था। इब्राहीम ने 65 या 66 वर्ष की अल्पायु में अपनी मातृभूमि छोड़ दी, तत्पश्चात् 70 वर्ष की आयु पार करके पश्चिम की ओर चल पड़ा। लेकिन मेसोपोटामिया, जैसे ही उन्होंने इसे छोड़ा, कई सौ वर्षों की अवधि में प्रवेश कर गया, और हम इसके बारे में सिर्फ इसलिए बात नहीं करने जा रहे हैं क्योंकि हमें पाठ्यक्रम की सामग्री को कवर करने के लिए आगे बढ़ने की जरूरत है।

लेकिन अगले कई सौ वर्षों तक, मेसोपोटामिया बेसिन विभाजित था, बड़े पैमाने पर उत्तर और दक्षिण में विभाजित था, लेकिन कई राजनीतिक संस्थाएं थीं, और हम्मुराबी के उदय तक मेसोपोटामिया एकजुट नहीं था। तो, पितृसत्तात्मक काल की पृष्ठभूमि को मैं पुराना बेबीलोनियन काल कहता हूँ। तो, हमारे चरण को स्थापित करते हुए, पुराना बेबीलोनियन काल मुख्य रूप से एक ऐसा काल है जिसे एमोराइट कहा जा सकता है।

अब, एमोराइट्स पुराने नियम के उन लोगों के समूहों में से एक हैं जिनके बारे में हम पूरे पुराने नियम में पढ़ते हैं, लेकिन यह थोड़ा भ्रमित करने वाला है। दरअसल, यह काफी भ्रमित करने वाला हो सकता है। इसलिए, मुझे यकीन नहीं है कि क्या मैं इसे आप तक पहुंचा सकता हूँ, लेकिन हमारे पास यह शब्द है जिसे एमोराइट कहा जाता है, लेकिन इसके कई संभावित अर्थ हैं, और केवल संदर्भ ही यह निर्धारित कर सकता है कि उस शब्द का वास्तव में क्या अर्थ है।

तो, सामान्य पदनामों में से एक यह है कि एमोराइट, या अमुरु, एक भौगोलिक शब्द है, जिसका उस समय की भाषा में मतलब सिर्फ एक पश्चिमी, सिरो-फिलिस्तीन से आया कोई व्यक्ति होता है, यदि आप चाहें। इसलिए, इस भौगोलिक परिप्रेक्ष्य का लोगों के समूह से कम और इस तथ्य से अधिक लेना-देना था कि एमोराइट्स वे लोग थे जो पश्चिम से मेसोपोटामिया, लेबनान और सीरिया के आधुनिक क्षेत्र में आए थे। तो, यह एमोराइट शब्द के लिए एक पदनाम या अर्थों में से एक था।

एमोराइट शब्द का दूसरा संभावित अर्थ वह है जिसे मैं जातीय परिप्रेक्ष्य कहता हूँ। इनका उल्लेख सबसे पहले पुराने अक्काडियन काल की सुमेरियन गोलियों में मिलता है। अगले डेढ़ शताब्दियों के भीतर, सर्गोन द ग्रेट के समय का पुराना अक्काडियन काल, ठीक 2350 के आसपास, इसलिए अगले डेढ़ शताब्दियों के भीतर, मेसोपोटामिया के निवासियों को उन्हें नियंत्रित करने या उन्हें रखने के लिए एक दीवार बनाने के लिए मजबूर किया जाता है मेसोपोटामिया से बाहर।

दक्षिणी तुर्की, कप्पाडोसिया में रहने वाले असीरियन व्यापारियों का कभी-कभार एमोराइट नाम भी होता है, इसलिए जब वे सिरो-फिलिस्तीन छोड़कर चले गए तो वे न केवल मेसोपोटामिया में

बस गए, बल्कि वे दक्षिणी तुर्की में भी बस गए। पुराने बेबीलोनियन काल तक, हम यह याद रखने के लिए एक आसान तारीख के बारे में सोच सकते हैं कि वह अवधि कब शुरू हुई थी क्योंकि हम्मुराबी ने अपना शासनकाल 1776 में शुरू किया होगा, इसलिए यह अमेरिकियों के लिए एक सुविधाजनक तारीख है; यह हमें अपने देश की नींव के कारण इसे याद रखने में मदद करता है। इसलिए, वे स्थानीय आबादी के साथ संश्लेषित होते हैं, और इसलिए यह एक लोगों का समूह है जिसे एमोराइट्स कहा जाता है, और हम उनके बारे में थोड़ा और बात करेंगे।

एक तीसरा समूह है, या मुझे कहना चाहिए कि इस शब्द का एक तीसरा निर्दिष्ट अर्थ है। इसे मैं सामाजिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्य कहता हूँ। दूसरे शब्दों में, मेसोपोटामिया में, वे किसी भी विदेशी का वर्णन करने के लिए एमोराइट शब्द का उपयोग करते थे जो उनके क्षेत्र में चले गए थे, इसलिए यह वास्तव में एमोराइट्स नामक बहुत विशिष्ट लोगों के बारे में बात नहीं कर रहा था, लेकिन इसका उपयोग किसी भी विदेशी का वर्णन करने के लिए किया गया था। शायद हमारी आधुनिक संस्कृति में एक परिणामी शब्द यह होगा कि हम उन लोगों का वर्णन करने के लिए मैक्सिकन शब्द का उपयोग कैसे कर सकते हैं जो हमारे देश में आकर बस गए हैं।

वास्तविकता में, हम किसी भी हिस्पैनिक का वर्णन करने के लिए मैक्सिकन शब्द का लापरवाही से उपयोग करते हैं, और उनमें से कुछ हिस्पैनिक लोग निकारागुआ या होंडुरास या अन्य स्थानों से हो सकते हैं, और अमेरिकी मैक्सिकन शब्द का लापरवाही से उपयोग करते हैं। खैर, ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने एमोराइट शब्द का प्रयोग इसी प्रकार किया है, इसलिए यदि उनके आबादी क्षेत्र में विदेशी लोग होते थे, तो वे उन्हें एमोराइट कहते थे, भले ही वे आवश्यक रूप से एमोराइट न हों। जिस चीज़ में हमारी सबसे अधिक रुचि है वह है बाइबल इस शब्द का उपयोग करने का तरीका।

बाइबिल में एमोराइट शब्द 86 बार आया है। उन 86 में से 13 को छोड़कर सभी पुराने नियम की पहली सात पुस्तकों में पाए जाते हैं। खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि एमोराइट्स पुराने नियम के शुरुआती चरण के हैं, नवीनतम चरण के नहीं।

अब, हम आपको जो बता सकते हैं वह यह है कि बाइबिल में एक लोगों का समूह था जिसे एमोराइट्स कहा जाता था, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि आज की दुनिया में, उन्हें हिक्सोस के नाम से जाना जाता है। तो आइए देखें कि क्या मैं आपको इसे सुसंगत तरीके से समझा सकता हूँ। मैं अपना बोर्ड मिटाने जा रहा हूँ और हिक्सोस शब्द को समझाने का प्रयास करूंगा।

हिक्सोस एमोराइट के लिए एक और शब्द है, और मेरे पास यह हमारे क्लास नोट्स में है। हिक्सोस, सभी चीजों में से, एक मिस्र का शब्द है, और मिस्र में, मैं वास्तव में मिस्र को नहीं पढ़ता हूँ। मिस्री सीखना मेरे जीवन के लक्ष्यों में से एक था, लेकिन जैसा कि आप स्क्रीन पर स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, मैं मिस्री सीखने के लिए जीवन से भाग रहा हूँ।

यह एक महत्वपूर्ण भाषा और मिस्र है; इस शब्द का अर्थ विदेशी भूमि के प्रमुखों से है। विदेशी भूमि के प्रमुख. मिस्र के इतिहास में पहली बार, मिस्र पर किसी बाहरी शक्ति द्वारा आक्रमण

किया गया था, और इन बाहरी लोगों को उनके द्वारा, विशिष्ट तरीके से, उनके राजा कौन थे, के संदर्भ में बुलाया गया था।

इसलिए, वे उन्हें उनके जातीय नाम से नहीं बुलाते थे, जो कि एमोराइट था। इसके बजाय, उन्होंने उन्हें अपने राजाओं के संदर्भ में, विदेशी भूमि के प्रमुखों के रूप में बुलाया, जो हिक्सोस शब्द है। बाद की तारीख में, बहुत बाद की तारीख में, जोसेफस नाम का एक यहूदी इतिहासकार, जो रोम के खिलाफ महान विद्रोह में गैलीलियन सेनाओं का कमांडर था।

वह रोम के खिलाफ उस भयानक विद्रोह से बच गया, रोमनोफाइल बन गया और यहूदियों का इतिहास लिखा। यहूदियों के इतिहास में, उन्हें हिक्सोस शब्द का पता चला, लेकिन जोसेफस के समय तक, जो कि 68 से 70 रहा होगा, और 70 के बाद के वर्षों में, जोसेफस के समय तक, उन्होंने हिक्सोस शब्द का अर्थ खो दिया था। और इसलिए, उन्होंने इसे चरवाहा राजाओं के रूप में पढ़ा।

इसलिए, जब आप इज़राइल के इतिहास पर पुराने काम पढ़ रहे हैं, तो आप कभी-कभी इन एमोराइट लोगों को मिस्र के इतिहास में चरवाहा राजाओं के रूप में संदर्भित देखेंगे, जबकि वास्तव में, यह शब्द का गलत अर्थ है। तो, यह महान हक्सोस साम्राज्य वास्तव में मूल रूप से अमोरिटिक था, और इसलिए बाइबल उन्हें अमोरिटिक मूल के लोगों के रूप में वर्णित करने के लिए उस शब्द का उपयोग करती है। इसलिए, यदि मैं आपको मानचित्र पर दिखा सकूँ, तो हम इसका उपयोग यह दर्शाने के लिए करेंगे कि क्या हुआ है।

मुझे नहीं पता कि आप मेरे कर्सर को स्क्रीन पर कितनी अच्छी तरह देख सकते हैं, लेकिन वर्षों में, मान लीजिए, 1800 से लगभग 1600 तक, एमोराइट लोग जो यहीं इस क्षेत्र से निकले थे, एमोराइट लोग एक साम्राज्य बनाने में सक्षम थे जो इस क्षेत्र से लेकर यहाँ तक फैला हुआ था, जिसने पूरे सिरो-फिलिस्तीन को नियंत्रित किया, और मिस्र पर लगभग मिस्र के मध्य तक शासन किया। इस महान साम्राज्य को मिस्रवासी हिक्सोस कहते थे, लेकिन वास्तव में, यह एक एमोराइट काल था। तो, ये एमोरी एक उल्लेखनीय लोग थे।

वे मिस्र में दुनिया का पहला साम्राज्य बनाने में कामयाब रहे जो मिस्र नहीं था। उन्होंने मिस्र पर विजय प्राप्त की, मिस्रवासियों पर अमित छाप छोड़ी और फिर वे इस क्षेत्र से यहां सिरो-फिलिस्तीन में चले गए। बहुत पहले, वे पुराने बेबीलोनियन काल में मेसोपोटामिया में प्रवास कर गए थे।

तो, यह बहुत भ्रमित करने वाला है, और बाइबल एमोराइट शब्द का उपयोग ऐसे तरीकों से करती है जो भ्रमित करने वाले हैं, क्योंकि कभी-कभी इसका अर्थ लोग होते हैं, और कभी-कभी इसका अर्थ भौगोलिक स्थान होता है। इसलिए, यदि मैं अपने क्लास नोट्स पर वापस लौट सकूँ, तो मैं आपको यह दिखाने की कोशिश करूँगा कि जब बाइबल एमोराइट शब्द का उपयोग करती है, तो इसका मतलब आंशिक रूप से वे लोग हैं जो मिस्र पर शासन करने वाले महान हिक्सोस साम्राज्य के पीछे थे। जब बाइबल इसका इस तरह उपयोग नहीं कर रही थी, तब यह इसे कनानी शब्द के समकक्ष के रूप में उपयोग करने लगी थी।

इसलिए, मुझे पता है कि यह थोड़ा भ्रमित करने वाला है क्योंकि यह पुराने नियम की तरह ही है। सीखने के लिए बहुत कुछ है। यह बहुत जबरदस्त है। लेकिन कनानी शब्द का प्रयोग भौगोलिक और जातीय रूप से भी किया जाता था।

और इसलिए, हिब्रू बाइबिल में, कनानी का मतलब सेमिटिक-भाषी लोगों का एक बहुत विशिष्ट समूह हो सकता है, या इसका मतलब भौगोलिक रूप से तटीय मैदान में रहने वाले लोग हो सकते हैं। एमोराइट का अर्थ बहुत विशिष्ट सेमिटिक-भाषी लोग हो सकता है जो सिरिल-लेबनान क्षेत्र से आए थे, या इसका उपयोग भौगोलिक रूप से उन लोगों के लिए किया जा सकता है जो इज़राइल के पहाड़ों में रहते थे। इसलिए कभी-कभी एमोराइट का मतलब केवल लोग नहीं बल्कि वे निवासी होते थे जो इज़राइल की पर्वत श्रृंखला में रहते थे।

कनानी एक लोग हो सकते हैं, लेकिन यह तटीय मैदान के निवासियों का वर्णन करने वाला एक शब्द भी हो सकता है। इसलिए, बाइबल में एमोराइट शब्द का प्रयोग कुछ-कुछ उसी तरह किया गया है, जिस तरह मेसोपोटामिया के लोग इसका प्रयोग करते थे, भौगोलिक दृष्टि से और साथ ही जातीय दृष्टि से भी। इस विषय क्षेत्र को छोड़ने से पहले हमें इन एमोराइट लोगों के बारे में थोड़ी बात करनी चाहिए, क्योंकि वे एक उल्लेखनीय लोग थे।

लोगों ने प्रश्न पूछा, मिस्र साम्राज्य सभी प्राचीन काल के सबसे प्रभावशाली साम्राज्यों में से एक था। यह निश्चित रूप से पृथ्वी पर संभवतः सभी साम्राज्यों में सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाला साम्राज्य था। मिस्र का साम्राज्य सहस्राब्दियों, लगभग तीन सहस्राब्दियों, ढाई सहस्राब्दियों तक चला।

ऐसा कैसे है कि सिरिल-फिलिस्तीन के ये विदेशी उन पर विजय पाने में कामयाब रहे? और ऐसा कैसे हुआ कि वे इज़राइल में ही प्रचलित हो गये? खैर, कुछ स्पष्टीकरण हैं जो मैं आपको बता सकता हूँ जो समझाने में मदद करेंगे। जिनमें से एक यह है कि एमोरी शारीरिक रूप से कनान और मिस्र दोनों के निवासियों से बड़े थे। जब हम एमोराइट कंकालों को ढूँढने में सक्षम होते हैं, तो हम पाते हैं कि मोटे तौर पर कहें तो, वे अन्य जनसंख्या समूहों की तुलना में लगभग आधा सिर लंबे हैं।

उनकी जैसी दुनिया में, शारीरिक ताकत ने आज की दुनिया की तुलना में युद्ध में बड़ी भूमिका निभाई। आधुनिक युद्ध में, वास्तव में ऐसा नहीं होता है; अधिकांश समय, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने मजबूत हैं; यह मायने रखता है कि आपकी मशीन गन प्रति मिनट कितनी गोलियाँ चला सकती है। प्राचीन विश्व में, युद्ध में यह एक जबरदस्त लाभ था क्योंकि वे अन्य जनसंख्या समूहों की तुलना में बहुत बड़े और मजबूत थे।

मेरा अनुमान है कि मिस्र की संरचना यह थी कि औसत पुरुष कहीं मोटे तौर पर, निचले हाशिये पर, पाँच फुट, और लम्बे हाशिये पर, पाँच फुट छह इंच का होता था। इसलिए, बड़ी संख्या में औसतन छह फीट के विरोधियों का सामना करने से इन एमोराइट्स को जबरदस्त फायदा हुआ। लेकिन इसमें बस इतना ही नहीं था।



एमोरी लोगों ने किसी तरह तकनीक में महारत हासिल कर ली थी और वे ऐसे हथियार पेश करने में सक्षम हो गए थे, जिससे लड़ाई में बड़ा बदलाव आया। वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने घोड़े को रथ से जुड़े जानवर के रूप में पेश किया। दूसरे शब्दों में, उन्होंने मिस्र में बड़े पैमाने पर रथ युद्ध की शुरुआत की, और रथ एक आतंकवादी हथियार था, खासकर जब घोड़ों द्वारा चलाया जाता था।

अब आपको शायद याद होगा कि पिछले कई व्याख्यानों में, मैंने आपको सुमेरियन युद्ध रथ दिखाया था। दोस्तों वह रथ एक गधे द्वारा खींचा जाता था। अब, गधा एक छोटा जानवर है, ताकतवर, लेकिन छोटा।

निःसंदेह, घोड़ा शक्तिशाली और मजबूत है, और एक बड़े रथ को खींच सकता है और उसे बहुत तेजी से खींच सकता है। इसलिए, इससे एमोरियों को मिस्रियों के साथ युद्ध में जबरदस्त लाभ मिला। और, वैसे, यह युद्ध की एक ऐसी पद्धति का परिचय देगा जो नए नियम काल के पत्रों तक प्राचीन दुनिया पर हावी रहेगी।

दूसरा महत्वपूर्ण कारक यह है कि क्यों ये एमोराइट्स अपनी दुनिया पर हावी होने में सक्षम थे, और, वैसे, मैंने इसे स्पष्ट नहीं किया, लेकिन मैं आपको बता सकता हूँ कि उनके पास न केवल एक साम्राज्य था जिसने सीरिया, फिलिस्तीन और मिस्र पर शासन किया था, लेकिन वे पुराने बेबीलोनियन काल के हम्मुराबी के साम्राज्य में प्रमुख जातीय आबादी बन गए। वे उल्लेखनीय लोग थे। एक दूसरा प्रमुख सैन्य आविष्कार, जिसका मूल्यांकन मैं नहीं जानता, वह अधिक प्रभावी था, लेकिन उन्होंने एक बिल्कुल नया धनुष बनाया।

प्राचीन काल में, धनुष हमेशा लकड़ी के एक ही टुकड़े से बनाए जाते थे। फिर, उस लकड़ी को काटा जा सकता था ताकि वह मुड़ने के लिए पर्याप्त लचीली हो सके। तो, यदि आप धनुष को देख रहे थे, तो धनुष कुछ इस तरह दिख सकता है, और फिर जब व्यक्ति धनुष खींचता है, तो धनुष इस तरह खिंच जाएगा, और इस तरह के धनुष को चलाने के कार्य की भौतिकी का मतलब शक्ति है तीर का जोर काफी हद तक धनुष की प्रत्यंचा खींचने वाले व्यक्ति की ताकत पर निर्भर करता था।

जितना अधिक आप लकड़ी के टुकड़े को मोड़ सकते हैं, उतने अधिक वेग से आप तीर को उड़ने दे सकते हैं। अब, अन्य कारक भी थे जिनसे आपको पता चलेगा, उदाहरण के लिए, आप किस लकड़ी का उपयोग कर रहे थे? कुछ लकड़ियों में स्वाभाविक रूप से दूसरों की तुलना में अधिक जोर होता है, लेकिन मोटे तौर पर, आपके तीर का जोर धनुष की प्रत्यंचा खींचने वाले व्यक्ति की ताकत पर निर्भर करता है। खैर, किसी तरह, एमोराइट्स ने एक नई तकनीक बनाई या उसके सामने आए।

मैं आपको इसका एक प्रकार से बखान करूंगा। जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, आप जानते हैं कि मैंने हिब्रू में पढ़ाई क्यों की, कला में नहीं। मेरे पास शून्य कला कौशल है।

लेकिन मैं आपको यह बताने जा रहा हूँ कि एमोराइट धनुष कैसा दिखता था क्योंकि उन्होंने जो किया वह यह था कि उन्होंने लकड़ी का एक टुकड़ा बनाया था जिसे विभिन्न परतों के साथ

लेमिनेट किया गया था। फिर इन परतों को एक साथ चिपका दिया गया और कॉम्पैक्ट कर दिया गया। अधिकांश परतें लकड़ी की होंगी, और कुछ परतें हड्डी की होंगी।

लेकिन उन्होंने एक ऐसा हथियार बनाया जिसकी गति लकड़ी के साधारण टुकड़ों की तुलना में नाटकीय रूप से अधिक थी। अब, युद्ध में, यह लेमिनेटेड धनुष एक जबरदस्त लाभ था। आप जानते हैं, सैद्धांतिक रूप से, आपके पास यहां एमोराइट सेनाएं और यहां मिस्र की सेनाएं हो सकती हैं, और सैद्धांतिक रूप से, एमोराइट्स अपने तीरों को मिस्रियों द्वारा एमोरियों तक पहुंचने से 20 गज दूर तक उड़ने दे सकते हैं।

इससे पहले कि मिस्र के तीरंदाजों को उनसे उलझने और उन तक पहुंचने का मौका मिले, वे बड़ी संख्या में मिस्र की पैदल सेना को मारना शुरू कर सकते थे। रथ और लेमिनेटेड धनुष के बीच इस श्रेष्ठ हथियार ने उन्हें जबरदस्त लाभ दिया।

उन्होंने एक अधिक प्रभावी खंजर भी बनाया, जिसका मतलब था कि जब वे करीबी सेना बनाते थे ताकि आप आमने-सामने की लड़ाई में हों, तो यह खंजर उन्हें आमने-सामने की लड़ाई में फायदा देता था। मिस्रवासी एक ऐसी चीज़ का उपयोग करते थे जिसे गदा कहा जाता था। और एक गदा, उनका प्राथमिक हथियार एक गदा था, और यह बहुत कठोर, भारी चट्टान का एक टुकड़ा था, जैसे बेसाल्ट या ऐसा कुछ, जिसमें वे एक छेद ड्रिल करते थे और लकड़ी का एक टुकड़ा डालते थे।

और जिस तरह से मिस्रियों ने हजारों वर्षों तक अपनी लड़ाई लड़ी वह काफी हद तक इस गदा सिर पर निर्भर थी। और इसलिए, आप जो देख सकते हैं वह यह है कि इसे कुंद बल द्वारा मारा गया था। तुम्हें पता है, तुम अपने प्रतिद्वंद्वी के सिर पर वार करोगे और उसकी खोपड़ी कुचल कर उसे मार डालोगे।

खैर, ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि मिस्रवासियों के पास कुछ अन्य संस्कृतियों की तरह धातु तक आसान पहुंच नहीं थी। गदा लंबे समय तक अपनी प्रभावशीलता से बची रही और हक्सोस की शक्ति का कोई मुकाबला नहीं कर पाई। तो, इन हक्सोस, या एमोराइट्स ने एक साथ मिस्र पर शासन किया।

साथ ही, वे बेबीलोन में भी प्रमुख जातीय समूह का हिस्सा थे। वे उल्लेखनीय लोग हैं, बाइबिल में बेहद महत्वपूर्ण हैं, लेकिन शायद ही हम उनके बारे में ज्यादा जानते हैं। आइए मैं आपको शीघ्रता से बताऊं कि बाइबल उन्हें किस प्रकार याद रखती है।

मेरे पास यहां कई अंश हैं जिन्हें पढ़ने के लिए मुझे लगता है कि हमारी कक्षा का थोड़ा सा समय निकालना उचित होगा। आमोस में, जो स्मृति से उनके बारे में बोलता है, वह मूसा और यहोशू के माध्यम से एमोरियों को हराने वाले भगवान के बारे में लिखता है, और वह कहता है, फिर भी वह मैं ही था जिसने एमोरी को उनके सामने नष्ट कर दिया, हालांकि उसकी ऊंचाई देवदारों की ऊंचाई के समान थी, और वह था बांज वृक्षों के समान मजबूत। मैंने ऊपर से उसका फल और नीचे से उसकी जड़ भी नष्ट कर दी।

यहोशू के नेतृत्व के माध्यम से एमोरियों को हराकर परमेश्वर ने इसराइल के प्रति अपनी वफादारी प्रदर्शित की। मैं व्यक्तिगत रूप से सोचता हूँ कि इससे भ्रम पैदा हुआ है जो कभी-कभी अंग्रेजी अनुवादों में दर्शाया जाता है जहाँ कुछ शब्दों का अनुवाद दिग्गजों के रूप में किया जाता है, और मुझे संदेह है कि वे उस शब्द के किसी भी अर्थ में दिग्गज नहीं थे। मुझे लगता है कि यह शायद एमोराइट्स जैसे लोगों का संदर्भ है, जो प्राचीन निवासियों की तुलना में बहुत लंबे थे।

जो भी मामला हो, वे पुराने नियम के समय के सबसे उल्लेखनीय लोगों में से एक थे, और भगवान उनकी अपनी महानता के उदाहरण के रूप में उनकी हार का हवाला देते हैं। हम जोशुआ में उनके बारे में एक और महत्वपूर्ण अनुच्छेद जानते हैं, और मैं आपको यहोशू 11.10 की ओर ले जाता हूँ क्योंकि वहाँ एमोराइट साम्राज्य की राजधानी थी। यहोशू 11.10 में, ठीक है, चलो पद 9 पढ़ें, और यहोशू ने उनके साथ वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उससे कहा था।

उसने उनके घोड़ों की हड्डियाँ काट डालीं और उनके रथों को आग में जला दिया। वह संभवतः एमोराइट साम्राज्य के अवशेषों के बारे में बात कर रहा है। तब पद 10 में यहोशू उसी समय पीछे लौटा, और उसने हासोर पर कब्ज़ा कर लिया और उसके राजा को तलवार से मार डाला, क्योंकि हासोर पहले इन सभी राज्यों का मुखिया था।

ठीक है, मैं बहुत उच्च स्तर की संभावना के साथ सोचता हूँ कि वह हाज़ोर के बारे में बात कर रहा है, जो यहीं पर एक शहर था, और वह हमें बता रहा है कि हाज़ोर हिक्सोस साम्राज्य की राजधानी थी। तो, जैसा कि आप देख सकते हैं, हासोर, यदि आप देखें कि मेरा कर्सर कहाँ है, तो यह एमोराइट साम्राज्य की उत्तरी सीमाओं और दक्षिणी सीमाओं, जो कि मिस्र होगा, के बीच समान दूरी पर है। ठीक मध्य में हासोर था, वह महान नगर जिस पर यहोशू ने कब्ज़ा कर लिया था।

कई मायनों में, इस्राएलियों की सबसे बड़ी सैन्य घटना हासोर शहर पर कब्ज़ा करना था। हम टेल शब्द का उपयोग करते हैं, जो एक अरबी शब्द है और इसका अर्थ है टीला। प्राचीन दुनिया में, सभी प्राचीन शहरों में टीले बने थे।

जब उन्होंने इन शहरों का निर्माण किया, तो अधिकांश शहर मिट्टी की ईंटों से बनाए गए थे, लेकिन सहस्राब्दियों के दौरान, वे लगभग हमेशा उन्हें एक पहाड़ी पर बनाते थे। लेकिन इन वर्षों में, मानव आबादी स्टैटिग्राफी की एक के बाद एक परत बनाती जाएगी ताकि टीला बड़ा और बड़ा होता जाए, और जितना बड़ा शहर, उतना बड़ा टीला। खैर, हासोर शहर इतना शक्तिशाली शहर था कि, मैं कहूँगा, यह पूरे सिरो-फिलिस्तीन में अगले टीले के आकार का तीन गुना है। इसलिए, जब यहोशू ने हासोर पर कब्ज़ा कर लिया, तो यह एक अनोखी घटना थी, लेकिन जब तक कोई हमें यह नहीं समझाता, मुझे नहीं पता कि हमें यह कैसे पता चलेगा।

तो, इब्रानियों द्वारा एमोरी शहर पर कब्ज़ा करने की यह एक बड़ी घटना थी क्योंकि इब्रानियों के पास एमोरी के पास कोई भी हथियार नहीं था। इब्रानियों के पास घोड़े नहीं थे, उनके पास रथ नहीं थे, उनके पास धनुष नहीं थे, और फिर भी वे हासोर के स्थान पर कब्ज़ा करने में सक्षम थे। तो, कुछ समय बाद, मैं आपको महान हिक्सोस साम्राज्य का एक नक्शा दिखाऊँगा, लेकिन अभी के लिए, आइए अपना ध्यान केंद्रित करें और एमोराइट्स से वापस जाएं।

इसलिए, जैसा कि मैंने इसे आपके लिए संश्लेषित किया है, मुझे पता है कि यह भ्रमित करने वाला है। बाइबल उनके बारे में बहुत कुछ बताती है। वे मेसोपोटामिया और पश्चिम दोनों में बेहद महत्वपूर्ण थे।

वे मिस्र को जीतने वाले पहले लोगों के समूह थे, हालाँकि संपूर्ण मिस्र पर नहीं। तो, आइए वह जानकारी लें और फिर पुराने बेबीलोनियन काल की ओर चलें, जो एक समय अवधि है जो लगभग 1800, 1776 से लेकर लगभग 1600 तक, जो कि 200 वर्षों से थोड़ा कम है। इसलिए पुराने बेबीलोनियन काल को कभी-कभी इसिन-लार्सा काल [2025-1763 ईसा पूर्व] के रूप में भी जाना जाता है, और हम उर III काल के पतन से 200 साल की अवधि के बारे में बात नहीं करने जा रहे हैं क्योंकि यह भ्रामक है।

मुझे यह दिलचस्प लगता है, लेकिन हम इस बारे में बात करना चाहते हैं कि यह पुराने नियम को हमारे सामने कैसे प्रकट करता है, इसलिए हम हम्मुराबी, एमोराइट से शुरुआत करने जा रहे हैं। अब, क्यूनिफॉर्म चिह्न को बी या पी के रूप में पढ़ा जा सकता है। इसलिए कभी-कभी आप हम्मुराबी देखेंगे, और कभी-कभी आप हम्मुराबी देखेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि क्यूनिफॉर्म चिह्न को बी या पी पढ़ा जा सकता है। इसका वास्तव में एक तकनीकी नाम है जिसे बीपी फोनेटिक इंटरचेंज कहा जाता है क्योंकि यदि आप इसे मेरे होठों, बी और पी पर देखते हैं, तो यह एक ध्वनि है जो यहीं हमारे होठों से बनती है।

तो, यह अनाकार था। मुझे लगता है कि यह शायद हम्मुराबी था, फिर बी, लेकिन जो भी मामला हो। हम्मुराबी एक एमोराइट था, या कम से कम एमोराइट अर्क से था।

जब हम्मुराबी ने बेबीलोन की गद्दी संभाली, तो मेसोपोटामिया कई क्षेत्रों में विभाजित हो गया। यह क्षेत्र विजय के लिए तैयार था, इस उद्घरण में देखा जा सकता है, ऐसा कोई राजा नहीं है जो अकेले शक्तिशाली हो सकता है। बाबुल के आदमी हम्मुराबी के पीछे 10 से 15 राजा मार्च कर रहे हैं।

लार्सा के आदमी, रिम-सिन के पीछे कई लोग मार्च करते हैं। एश्रुन्ना का आदमी एबल-पील। अमुत-पील, खातूनम का आदमी।

और यारिम-लिम के पीछे, 20 राजाओं का मार्च। खैर, वह उद्घरण हमें यह बता रहा है कि जब हम्मुराबी ने बेबीलोन की गद्दी संभाली, तो वहां आधा दर्जन राजनीतिक संस्थाएं थीं, जिन्होंने एक-दूसरे को काफी हद तक संतुलित कर दिया था। कोई भी इतना शक्तिशाली नहीं था कि मेसोपोटामिया पर नियंत्रण कर सके।

खैर, जब हम्मुराबी जैसा व्यक्ति सत्ता की स्थिति में आता है, तो बड़ी संख्या में कारकों पर विचार किया जाना चाहिए। शायद सबसे महत्वपूर्ण में से एक हम्मुराबी के 10वें वर्ष के दौरान मारी के राजा शम्सी-अदद की मृत्यु थी। इससे स्पष्ट रूप से हम्मुराबी जैसे मजबूत नेता के लिए रास्ता खुल गया।

हालाँकि वह बेबीलोन का पहला राजा नहीं था, वह एकीकृत मेसोपोटामिया पर शासन करने वाला पहला बेबीलोनियाई राजा था। तो, ऐसा प्रतीत होता है कि जो हुआ वह यही था। मेसोपोटामिया को आधा दर्जन शहर-राज्यों के बीच समान रूप से विभाजित किया गया था, और जब शम्सी-अदद, जो बेबीलोन के साथ उत्तरी सीमा साझा करता है, जब शम्सी-अदद की मृत्यु हो गई, तो उसने एक डोमिनोज़ प्रभाव पैदा किया ताकि हम्मुराबी उस क्षेत्र पर कब्ज़ा करने में सक्षम हो सके।

उसने उस क्षेत्र को अपने क्षेत्र में मिला लिया और एक-एक करके उन अन्य शहर-राज्यों को जीतने में सफल रहा, जब तक कि, ठीक उसी तरह, मेसोपोटामिया फिर से एक राजनीतिक इकाई के तहत एकजुट नहीं हो गया। ठीक है, तो आइए देखें कि क्या मैं इसे इंगित करके आपकी स्मृति को ताज़ा कर सकता हूँ। पूरे मेसोपोटामिया पर शासन करने वाला पहला साम्राज्य सर्गोन द ग्रेट का पुराना अक्काडियन साम्राज्य था।

यह लगभग 2350 से 2200 तक चला। फिर, उसके बाद, यह उर III काल था, जो 2150 से 2050 तक चला। अब हमारे पास पुराना बेबीलोनियन काल है, जो लगभग 1800 से 1600 तक जाता है।

इसलिए, यह तीसरा साम्राज्य है जो मेसोपोटामिया पर शासन कर रहा है, और इसका कारण यह है कि आपको यह सब बताना उचित होगा क्योंकि पुराना बेबीलोनियन काल प्राचीन इतिहास का वह काल है जो पितृसत्तात्मक काल से सबसे अच्छा मेल खाता है। दूसरे शब्दों में, इसहाक और, जैकब और जोसेफ जैसे लोग सामाजिक, धार्मिक, भाषाई रूप से बेहतर फिट बैठते हैं; वे इस समयावधि में फिट बैठते हैं, जिसे हम पुराने बेबीलोनियन काल को उन सभी पूर्ववर्ती काल से बेहतर कहेंगे जिनके बारे में हमने बात की थी। तो, मैंने आपके लिए हम्मुराबियन काल के कुछ योगदान सूचीबद्ध किए हैं।

शायद मैं इनके बारे में उतनी बात नहीं करूंगा। हम्मुराबी का काल वह काल था जिसके कारण बेबीलोन शहर में निर्माण और वास्तुकला में नाटकीय वृद्धि हुई। बेबीलोन का बहुत विस्तार किया गया, कई मंदिर बनाए गए, और नहरें खोदी गईं, इसलिए यह बेबीलोन शहर के लिए समृद्धि का समय था।

आप जानते हैं, ये एमोराइट्स, हम चाहते हैं कि हम उनके बारे में और अधिक जानते। वे सचमुच एक उल्लेखनीय लोग रहे होंगे। किसी भी दर पर, कैलेंडर के विकास की दिशा में काफी प्रगति हुई है।

सदियों से, मेसोपोटामिया के लोगों का कैलेंडर चंद्र कैलेंडर था और जिस तरह से चंद्रमा दिखाई देता है वह ऐसा है कि आप चंद्र कैलेंडर के माध्यम से उस पर सटीक नज़र नहीं रख सकते जिसे हम वर्ष कहते हैं। तो, अमिसाडुका की शुक्र गोलियाँ एक सौर कैलेंडर की ओर बढ़ रही हैं, जो निश्चित रूप से, वह है जिसका हम पालन करते हैं। हम्मुराबी प्राचीन कानून निर्माताओं में सबसे महान हैं।

मुझे लगता है कि मूसा कहीं महान था, लेकिन उन लोगों में से जिन्होंने हमारे लिए कानून कोड छोड़े, हममुराबी का कानून कोड अब तक सबसे प्रसिद्ध है। यह किसी भी अन्य कानून संहिता से बड़ा है। तो, हममुराबी एक महान राजा था, और एक महान राजा ने कानून संहिता छोड़ दी।

एमोराइट का विश्वदृष्टिकोण बाइबल के विश्वदृष्टिकोण से बहुत अच्छी तरह मेल खाता है। भाषाई दृष्टि से, एमोराइट हिब्रू के काफी करीब है। जैसा कि आप बता सकते हैं, मेरा कंप्यूटर फ्रॉन्ट हिब्रू नहीं पढ़ सकता है, इसलिए मैंने यहां हिब्रू लिखा था, लेकिन मेरा विशेष फ्रॉन्ट इसे नहीं पढ़ सका।

लेकिन मैं अपने छात्रों को व्यक्तिगत नामों के माध्यम से बता रहा था कि एमोराइट भाषा हिब्रू भाषा के कितनी करीब है। हम इसे व्यक्तिगत नामों, स्थान के नामों और अन्य साक्ष्यों में देख सकते हैं। तो, भाषाई रूप से, एमोराइट और हिब्रू बहन भाषाएँ हैं।

भौगोलिक दृष्टि से, कुलपतियों के साथ संबंध प्रभावशाली हैं। उदाहरण के लिए, जब हम महत्वपूर्ण अंश पढ़ते हैं, जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे, क्योंकि बाद में हम इब्राहीम की मातृभूमि और वह कहाँ से आए थे, के बारे में बात करने जा रहे हैं। लेकिन जब हम हारान और तेल-सेरुगी और तेल चेराकी और तेल नाचोर जैसी साइटों को देखते हैं, तो ये बाद के तीन स्थल व्युत्पत्ति की दृष्टि से सेरुग और तेरह और नाचोर नामक इब्राहीम के पूर्वजों के समान हैं।

तो, हम केवल यह इंगित कर रहे हैं कि मेसोपोटामिया के उत्तरी भाग में जिन शहरों का उल्लेख किया गया है, वे व्युत्पत्तिगत रूप से इब्राहीम के कुछ रिश्तेदारों के समान हैं, जो आपको एक बार फिर यह समानता, एमोराइट और हिब्रू पृष्ठभूमि के बीच यह घनिष्ठ संबंध दिखाता है। सामाजिक रूप से, समानताएँ वास्तव में प्रभावशाली हैं। हम कई का हवाला दे सकते हैं।

न्यायाधीशों के अध्याय 19 में भयानक मार्ग, जिसमें, इस्राएलियों को गृहयुद्ध में एकजुट करने के लिए, लेवी ने अपनी हत्या की गई उपपत्नी को 12 टुकड़ों में काट दिया और प्रत्येक जनजाति के लिए एक जनजाति, उसका एक टुकड़ा भेज दिया। खैर, यह भीषण प्रथा, जैसा कि हम मारी के उदाहरणों से जानते हैं, जनजातियों को राजा के पास सेना भेजने का आदेश देने का एक तरीका था, जो एक सैन्य अभियान चलाने के लिए तैयार था। तो, हमारे पास ऐसी कई प्रथाएँ हैं।

मुझे लगता है कि मैं जल्दी करूँगा क्योंकि हमने इस व्याख्यान के लिए जो समय निर्धारित किया था वह लगभग पूरा हो चुका है। पुराने बेबीलोनियन काल और बाइबिल के बीच समानता का एक शक्तिशाली क्षेत्र अर्थशास्त्र है। मुकुट भूमि और उसकी बिक्री समान थी।

सबसे बड़ा जमींदार राजा होता था। और अधिकांश भूमि राजा के पास थी और उसने इसका उपयोग कृत्रिम संरक्षण प्रणाली बनाने के लिए किया। शाही ज़मीन देकर या उसे अपनी प्रजा के उपयोग के लिए सौंपकर, राजा अपने अनुयायियों को वफादारी की गारंटी दे रहा था।

तो, हमारे पास पुराने नियम की प्रसिद्ध जयंती पर एक बहुत ही दिलचस्प व्याख्यान है। और मुझे पूरा यकीन है कि आपको यह बहुत दिलचस्प लगेगा। जब हम हममुराबी की संहिता की तुलना करते हैं, तो ब्याज और सूदखोरी जैसी दिलचस्प चीजें बिल्कुल मूसा की संहिता के समान होती हैं।

हम्मुराबी की संहिता में, यदि आप 20% से अधिक ब्याज लेते हैं, तो यह सूदखोरी है। यह बिल्कुल वही आंकड़ा है जो मूसा ने ब्याज के बारे में अपने कानून में दिया है। तो, वास्तव में, पुराने बेबीलोनियन काल और बाइबल के बीच भारी संख्या में सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक समानताएँ हैं।

और मैं आपके साथ अगली कक्षा के घंटे में तथाकथित जुबली के सबसे उल्लेखनीय समानांतर के बारे में बात करने के लिए उत्सुक हूँ। हम उस अवसर का उपयोग यहां रुकने के लिए करेंगे क्योंकि हम अगले घंटे को इस महत्वपूर्ण आर्थिक अभ्यास की चर्चा के लिए तैयार करने के लिए तैयार हैं। तो, आपके ध्यान के लिए धन्यवाद।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 6 है, एमोरियों के शाही दिव्यीकरण का अंत।